B- IV
L- 25
W. G.

भूमध्य सागरीय वर्षा

यह एक विशेष जलवायु क्षेत्र है जिसका विस्तार 30° अक्षांश में महाद्वीपों के पश्चिमी भाग में पाया जाता है। इस पेटी में शीत ऋतु में वर्षा होती है।

इसका महत्वपूर्ण कारण - सूर्य की वार्षिक गति के कारण पछुआ पवनों का शीत ऋतु में विषुवत रेखा की तरफ खिसकना होता है।

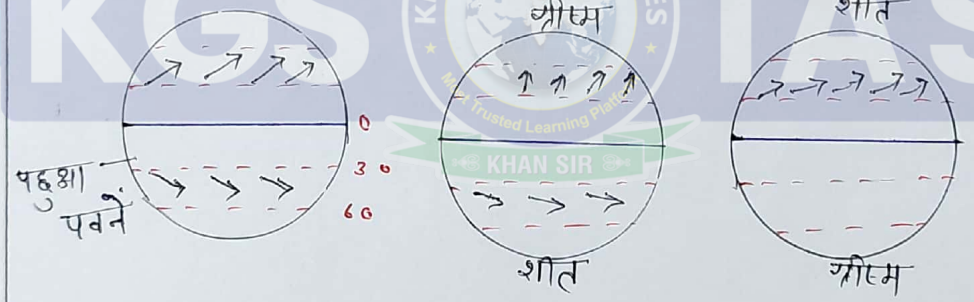

इस विशेष स्थिति के कारण इस क्षेत्र में (दीर्घ आपतिक) लम्बी अवधि तक शुष्क गर्मी पड़ती है जो वर्षा विहीन होती है। (क्योंकि पछुआ पेटी का प्रभाव इस समय नहीं आता)

Scanned by CamScanner

इस समय रसदार फल बहुतायत मात्रा में होते हैं जैसे- संतरे, अंगूर

फ्रांस - शैम्पेन, आस्ट्रेलिया - वाइन निर्मित किए जाते हैं।

इस प्रतिकूल जलवायु की अवस्था के चलते भू-मध्य सागरीय जलवायु क्षेत्र में विशेष अनुकूलित वनस्पति उत्पन्न होती है, जिसे भूमध्य सागरीय वनस्पति कहा जाता है।

इनमें प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं-

जैसे - रसदार फल - नींबू, संतरा, अंगूर आदि

अंजीर (Fig), जैतून, कार्क ये भी पाए जाते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner